श्याम तेरी नौकरी | By Sardar Romi

जिसने ये जीवन तुझपे है वारा
बड़ी मौज में उसका चलता गुज़ारा
जीवन की बगिया रहती हरी है
बड़ी रुतबे वाली तेरी नौकरी है
तेरी नौकरी है .....

सबसे अलग है सबसे खरी है
बड़ी रुतबे वाली तेरी नौकरी है
तेरी नौकरी है .....
कहते हैं वो जिसने सेवा करी है
बड़ी रुतबे वाली तेरी नौकरी है
तेरी नौकरी है .....

आधे अधूरे थे मेरे सपने
मुख मोड़ कर बैठे मेरे थे अपने
जबसे मिली श्याम तेरी चाकरी है
बड़ी रुतबे वाली तेरी नौकरी है
तेरी नौकरी है .....

जब जब मैंने हाथ फैलाया
खाली नहीं श्याम तुमने लौटाया
जब जब पसारी झोली भरी है
बड़ी रुतबे वाली तेरी नौकरी है
तेरी नौकरी है .....

ऐसा अनोखा मालिक है पाया
सेवक का जिसने मान बढ़ाया
अगले जनम की रोमी अर्ज़ी धरी है
बड़ी रुतबे वाली तेरी नौकरी है
तेरी नौकरी है .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%a8%e0%a5%8c%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-sardar-romi/